Ashish Tudu
Roll no - 48
Session - 2021-2023
Date - 25-07-2022

"नई शिक्षा नीति - 2020"

नई शिक्षा नीति - 2020, NDA सरकार के द्वारा लोकसभा एवं राज्यसभा से पारित करवाया गया एक नीति है। जो कि आगे भारत की शिक्षा व्यवस्था में बदलाव लाने का महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नई शिक्षा नीति के माध्यम से भारत की शिक्षा व्यवस्था में बदलाव एवं शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए लाया गया है। पहले भारत की शिक्षा व्यवस्था में 10+2+3 की ~~शैक्षणिक~~ व्यवस्था चलायी जाती थी जो अभी इस ~~शैक्षणिक~~ व्यवस्था को रद्द कर नई बनायी गयी है। अभी के दूसरा शिक्षा व्यवस्था को बदलाव के नाम पर नई शिक्षा नीति - 2020 लाया गया है। ताकि विद्यार्थी के जीवन में बदलाव एवं सुधार आ सके। जैसे कि अभी के नई शिक्षा नीति 2020 में चार साल का integrated b-ed कोर्स को बनाया है जो कि पहले 2 साल उससे पहले 1 साल का b-ed कोर्स हुआ करता था। अब Degree के साथ-साथ 1 साल का b-ed कोर्स भी include कर दिया है। उसमें Degree के साथ b-ed कोर्स भी शामिल कर दिया है। इससे यह स्पष्ट होगा कि जिनका ज्यादा झुकाव शिक्षक बनने का है वही केवल चार साल का integrated b-ed कोर्स करेगा। नई शिक्षा नीति-2020 में बहुत सारे बदलाव हुए जो कि छात्रों के लिए भी बहुत

PRINCIPAL
K.N. Bakshi College of Education
Bengabad, Giridih

नई शिक्षा नीति - 2020 के माध्यम से विद्यार्थी को शिक्षा प्राप्त करना थोड़ा आसान भी होगा। क्योंकि अभी यदि कोई विद्यार्थी किसी भी कोर्स को करते हुए एक या दो साल के बाद छोड़ जाता है तो वह दुबारा उसी क्लास से आगे की पढ़ाई कर पाएगा। जो कि पहले यह व्यवस्था नहीं दी गई थी। उस समय drop out बच्चे के उसी क्लास से पढ़ना मुश्किल हो जाता था।

अभी Degree कॉलेजों में भी यदि कोई विद्यार्थी 1 या 2 साल बाद कॉलेज Study छोड़ देता है तो उसको 1 या 2 साल तक का Diploma certificate भी मिलेगा। इसी प्रकार से नई शिक्षा नीति - 2020 में बहुत सारे बदलाव हुए हैं जो कि विद्यार्थी के लिए लाभदायक भी सिद्ध होगी अथवा कुछ नुकसान भी है सरकार ने आखिरकार इनका लाभ गिनाते हुए नई शिक्षा नीति-2020 को लागू करने का मन बनाया है

इस प्रकार से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि नई शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थी के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखते हुए नई शिक्षा नीति का निर्माण करना है नई शिक्षा नीति को बहुत ही आसान रूप से प्रस्तुत किया गया है जो कि समझना बहुत सरल है इसी प्रकार शिक्षा की व्यवस्था को बेहतर करने के लिए नई शिक्षा नीति - 2020 को बनाया गया है

PRINCIPAL
K.N. Bakshi College of Education
Bengabad, Giridih

नाम — मानिक मारान्डी
क्रमांक — 13
सत्र — 2021 — 2023

Date — / /
Page No.

"नई शिक्षा नीति — 2020"

नई शिक्षा नीति में इसे शिक्षा को पाठ्यक्रम को आधारित बनाई जाती ताकि कि सभी विद्यार्थियों को शिक्षा नीति का सामान्य शिक्षा प्राप्त हो सके।

नई शिक्षा के तहत सभी विद्यालय में स्मार्ट क्लास को नियम से बनाई गई है। ताकि की सभी विद्यार्थी की क्लास चलती रहती साथ ही उनका शिक्षा बढ़ी सके।

नई शिक्षा नीति 2020 में covid-19 के कारण से सभी विद्यालयों में क्लास चलती थी। Online साथ ही विद्यार्थियों को प्रति महिना 500 रुपया दिया जाता था साथ ही सरकार की अनेक योजना चलाई गई थी ताकि विद्यार्थियों की शिक्षा न रुके।

जैसे कि गाँव में कोई साक्षर है तो अपने गाँव के दस विद्यार्थी को लेकर पढ़ते थे।

PRINCIPAL
K.N. Bakshi College of Education
Bengabad, Giridih

Name - Rajendra Tudu
Roll No. - 21
Session - 2021-23

"नई शिक्षा नीति - 2020"

नई शिक्षा नीति 2020 के तहत शिक्षा नीति को बदलाव करने का यह कारण है। पूरे विश्व में कोरोना महामारी के कारण शिक्षा का परिवर्तन हुआ यह बदलाव किया गया है जब पहले पढ़ाई ऑफलाइन के माध्यम से किया जाता था और इस उस पर भारत सरकार का आदेश अनुसार स्कूल कॉलेज और सभी शिक्षण संस्थान बंद होने के कारण इसलिए सरकार ने यह प्रतिबंध लगाया कि शिक्षक बच्चों को ऑनलाइन के माध्यम से कक्षाएं किया जाता था। और कुछ भी पढ़ाई के संबंधित कोई भी विचार ऑनलाइन के माध्यम द्वारा किया जाता था। नई शिक्षा नीति 2020 में पहली बार ऑनलाइन के माध्यम से पढ़ाई करने का नई शिक्षा 2020 से ही किसी पर यह निर्णय करने पर पूरे भारत बदलाव कर दिया गया है।

PRINCIPAL
K.N. Bakshi College of Education
Bengabad, Giridih

Date / /
Page No

नई शिक्षा नीति गाँव में योजना
यह आया है कि कोई
योजना मिलती है।
शिक्षा 2020 के तहत
स्कूल और कॉलेज में छात्रों
को बिना परीक्षा दिए
पास किया गया था यह
केवल 2020 में ही किया
गया था।
नई शिक्षा नीति से
बदलाव में कक्षा 8 का बोर्ड
होने लगा और 9 बोर्ड और
स्नातक में B.A. की पढ़ाई
सेमेस्टर के माध्यम से
कक्षा होने लगी और इस
समय में M.FIL की
डिग्री को हटाया गया है।

PRINCIPAL
K.N. Bakshi College of Education
Bengabad, Giridih

सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति में शिक्षा एक सशक्त माध्यम है।

सामाजिक कुरीति से तात्पर्य समाज की उस व्यवस्था से है, जिनमें सामाजिक नकारात्मकता के पहलुओं का प्रदर्शन होता है। सामाजिक कुरीति एक नकारात्मक अवधारणा है जो समाज की बुराईयों को इंगित करता है। यह किसी भी समाज के लिए अभिशाप के समान होता है।

सामाजिक कुरीतियों के पनपने के कई कारक हैं जिसमें गरीबी, धार्मिक कट्टरता, रुढ़िवादिता, सामाजिक परिवेश, आर्थिक व्यवस्था आदि महत्वपूर्ण है, लेकिन सबसे अधिक भूमिका अशिक्षा की है। अशिक्षा की वजह से ही सामाजिक कुरीतियों को पोषण प्राप्त होता है। दहेज प्रथा, डायन बिसाही, भूत-प्रेत, जंतर-मंतर, नरबलि, बाल-विवाह, कन्या भ्रूण हत्या, महिलाओं की दयनीय स्थिति, धार्मिक कट्टरता आदि महत्वपूर्ण सामाजिक कुरीतियाँ है जो किसी भी समाज या देश की विकास की गति को मंद कर देती है। हालांकि दिनों भड़कने वाले साम्प्रदायिक दंगे भी सामाजिक कुरीति और अशिक्षा का ही परिणाम है जो देश की सौहार्द्र वातावरण को असहिष्णु बनाता है।

शिक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार से इस विकराल रूपी भयावह दैत्य (सामाजिक कुरीति) को कम किया जा सकता है और समाज व देश के वातावरण को शांतिमय व खुशहाल बनाया जा सकता है। शिक्षा कई रूपों में सामाजिक बुराईयों को कम करता है। शिक्षा के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति मिल सकती है जो निम्नलिखित बिंदुओं से स्पष्ट होता है —

Signature: PRINCIPAL
K.N. Bakshi College of Education
Bengabad, Giridih

Page No.
Date:

* शिक्षा के माध्यम से बड़े स्तर पर बाल-विवाह को कम किया गया है।
* दहेज प्रथा को कम करने में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका रही है, शिक्षित लोग दहेज के दुष्परिणाम को समझने लगे है।
* पहले लोग जादू-टोना और तंत्र-मंत्र बहुत अधिक विश्वास करते थे लेकिन शिक्षा के प्रसार ने इस मोह या भ्रम को तोड़ा है और इसे नकार रहे हैं।
* ग्रामीण भारत में डायनबिसाही एक विकराल कुप्रथा है जो कि अशिक्षा के कारण से है ऐसे में शिक्षा के व्यापक प्रसार ने इस इस कुप्रथा पर अंकुश लगाया है।
* नरबलि जैसे जघन्य कुरीति अब शायद ही कही देखने को मिलती है जो शिक्षा के कारण ही संभव हो पाया है।
* वर्तमान समय में ही नही बल्कि प्राचीन काल से ही पुत्र संतान को अधिक महत्व और पुत्री संतान को कमतर आंका गया है लेकिन पहले जन्मोपरांत कन्या ~~होती है~~ हत्या होती थी जबकि वर्तमान में भ्रूणहत्या कुरीति ने जन्म लिया है। लेकिन इसे शिक्षा के माध्यम से और कई सरकारी नीतियों द्वारा रोकने का प्रयास किया जा रहा है।
* महिलाओं को चारदीवारी में कैद रखना, उन्हे शिक्षा से दूर रखना, सम्पति में हिस्सा न दिया जाना भी भारतीय सामाजिक कुरीति के उदाहरण है जिसको तोड़ने का काम शिक्षा ने ही किया है अब महिलाओं को वेतन के लिए काम करने का अधिकार, शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार, सम्पति में हिस्सा प्राप्त करने के अधिकार शिक्षा के माध्यम से ही संभव हो पायी है।

Ajit Verma
PRINCIPAL
K.N. Bakshi College of Education
Bengabad, Giridih
Signature

Page No.
Date / /

* जातिगत भेदभाव, अस्पृश्यता, नस्लीय भेद आदि लम्बे से समय से भारतीय समाज की प्रमुख कुरीतियाँ रही है लेकिन आज के समय में शिक्षा ने इस भेदभाव को मिटा दिया है।
* धार्मिक कट्टरता और रुढ़िवादी विचारधारा भी लम्बे समय से भारतीय समाज का हिस्सा रही है जिसने देश के विकास को अपूरणीय क्षति पहुँचायी है लेकिन इस कुप्रथा व कुव्यवस्था को भी शिक्षा ने न्यूनतम कर दिया है।
* विधवा पुनर्विवाह, सती प्रथा, पर्दा प्रथा आदि जैसे सामाजिक कुरीतियों को मिटाने का कार्य शिक्षा ही ने ही किया है।

लेकिन अभी भी कई सामाजिक बुराईयाँ समाज में विद्यमान है जिसे बेहतर शिक्षा और आर्थिक विकास के द्वारा ही समाप्त किया जा सकता है क्योंकि शिक्षा वह व्यवस्था है जो सभी के ज्ञान पटल को खोलकर रख देता है, इतना ही नहीं शिक्षा से वैज्ञानिक प्रगति और आधुनिकीकरण ने भी सामाजिक कुरीतियों का खण्डन किया गया है।

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि यदि सामाजिक बुराईयों व कुरीतियों को दूर करना है तो अधिक से अधिक शिक्षा को बढ़ावा देना होगा और लोगों को अधिक से अधिक से शिक्षित करना होगा।

PRINCIPAL
K.N. Bakshi College of Education
Bengabad, Giridih

Signature

Page No.
Date : / /

Name Pintu Kr. Verma
Class - B.Ed., Semester - II[nd]
Roll No - 02
Session - 2022-24
Date - 25/08/2023

PRINCIPAL
K.N. Bakshi College of Education
Bengabad, Giridih

Signature..........................

Date: / /

सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति में शिक्षा एक सशक्त माध्यम —

हम जानते हैं कि हमारे समाज में बहुत से रीति-रिवाजों का सदियों से परम्परा रही है। इनमें बहुत से यह हम कहें तो कुछ अच्छे हैं और कुछ बुरे भी हैं। हमारे समाज में कुरीतियाँ बहुत है जैसे- दहेज प्रथा, पर्दा प्रथा, स्त्री शिक्षा से संबंधित अनेक कुरीतियाँ मौजूद हैं। इन सभी कुरीतियों से मुक्ति पाने का एक मात्र माध्यम शिक्षा है। शिक्षा के माध्यम से ही हम इन सभी कुरीतियों से मुक्ति पा सकते हैं।

दहेज प्रथा - यदि हम शिक्षित नहीं होंगे या हमारा समाज शिक्षित नहीं है तो इसका प्रभाव आवश्य देखने को मिलती है। दहेज प्रथा से समाज में अनेक बुराई को जन्म देते हैं जो हम ध्यान नहीं देते हैं। दहेज प्रथा से जो गरीब घर के माँ-बाप है उन्हें अपनी बेटी के शादी की चिंता रहती है। उनको अपने बेटी की शादी की चिंता सताती रहती है और इसी चक्कर में वह कभी-कभी बड़े अपराध तक कर बैठते हैं। और वह अपना परिवार बर्बाद कर देते हैं। जिन माता-पिताओं के पास पैसा नहीं होते हैं तो वह अपने बेटी का ब्याह ही नहीं कर पाते हैं। इसी चिंता के कारण कई माँ-बाप अपने बच्चे को पैदा होते ही मार देते हैं।

यदि शिक्षा हमारे समाज में व्याप्त है। यदि हम शिक्षित होते होते हैं तो

Signature ...... PRINCIPAL
K.N. Bakshi College of Education
Bengabad, Giridih

इस तरह के घटनाओं से बच सकते हैं या अपने समाज को ऐसे अपराध से बचा सकते हैं। हम शिक्षा प्राप्त कर अपने आस पास के लोगों को बताएँगे की यह कानून अपराध है। दहेज लेना और देना दोनो ही अपराध है, भ्रूण हत्या अपराध है। इसके अलावा हम यह भी बताएँगे कि आज कल लड़कियाँ भी लड़कों से कम नहीं है। वो भी अपने पैरों पर खड़ा हो सकते हैं आत्मनिर्भर बन सकती है।

शिक्षा के माध्यम से ही हमारा समाज पर्दा प्रथा जैसी कुरीतियों से भी दुत्कारा पाया जा सकता है। हमारे समाज मे यह प्रथा भी पुराना है कि लड़कियाँ घर से बाहर नहीं निकलते हैं। हमारा समाज उन्हें चार दीवारी के अंदर बंद करके रखती है। इस वजह से वे अपने प्रतिभा को बाहर नहीं दिखा पाती है। समाज समझता है कि उनका काम सिर्फ चार दीवारी के अंदर है बाहर नहीं इसी सोच को शिक्षा के द्वारा ही खत्म किया जा सकता है। आज महिला भी ऊँचे पद पर कार्यरत है। वो भी इस लायक है। हमारे सामने एक उदाहरण है महान हमारे राष्ट्रपति महोदया की वह भी स्त्री होकर देश की इतनी ऊँची पद पर प्रतिष्ठित है। शिक्षा ही वह माध्यम है जो इस धारणा को खत्म करने में सफल हो सकता है। शिक्षा के माध्यम से ही हम अपने समाज से ऊँच नीच की भावना को खत्म कर सकते है। उनके प्रतिभा को समाज पर बता सकते हैं।

PRINCIPAL
K.N. Bakshi College of Education
Bengabad, Giridih

Signature............................

Page No.
Date: / /

वर्तमान समय में हमारे समाज में स्त्री शिक्षा एक विशेष समस्या बनी हुई है। समाज में लड़कियों को नहीं पढ़ाया जाता है। हलाँकि आज धीरे-धीरे यह समस्या भी खत्म होते जा रहे हैं लेकिन किसी-किसी क्षेत्र में यह आज भी विद्यमान है। उनका धारणा है कि लड़कियों को तो अंत में खाना बनाना का ही काम करती है इसके लिए उन्हें पढ़ाने को जरुरत नहीं है। इसी सोच को वे आज तक पालते रहें हैं क्योंकि उनके पास शिक्षा की कमी है। हम अपने समाज में शिक्षा के माध्यम से ही यह समस्या दूर कर सकते हैं। उनके इस गलत धारणा को विभिन्न उदाहरण देकर हम खत्म कर सकते हैं। यदि घर की माता ही शिक्षित नहीं होगी तो वह अपने घर परिवार को क्या शिक्षा देगी। क्योंकि जब घर में कोई बच्चा का जन्म होता है तो उसका पहला गुरु माँ ही होती है। यदि माँ ही शिक्षित नहीं है तो बालक को क्या सिखाएगी।

कुल मिलाकर बात यह है कि हमारे समाज में शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम उपर्युक्त कुरीतियों से मुक्ति पा सकते हैं।

- BHIMSEND SOREN
Roll - 81
Session - 2022-24

PRINCIPAL
K.N. Bakshi College of Education
Bengabad, Giridih

Signature..........................

Date: / /

सामाजिक कुरितियो से मुक्ति मे शिक्षा एक सशक्त माध्यम है।

1 सामाजिक कुरिति समाज मे बहुत ही देखने मिलता है। समाज मे देखा जाता है कि दहेज लेना है और जो दहेज नही दे पाता है उसे प्रारताडित किया जाता है। उसे तो कभी मार भी दिया जाता है जब पहले की महिला पढ़ी नही होती थी तो वह सभी का जुल्म सह रह जाती थी वह कुछ नही कर पाती थी लेकिन जब आज लड़कियाँ पढ़ी होती है तो वह किसी भी तरह की प्रारताडित को सहन नही करती वह थाना प्रभारी के साथ चली जाती है। उस पर आरोप लगाती है उसके प्रति आवाज उठाती है।

शिक्षा प्राप्त करने के से ही महिला पर जो अत्याचार हो रहे था उसे रोकने के लिए आज (महिला मंच विकास) संगठन बना है।

ऐसे कई कुरितियाँ है। पहले जनजाति अनुसूचित जाति के लोग या जो पिछड़े लोग है वे लोग को समाज मे मिल जुल कर रहने का अधिकार नही दिया जाता था मंदिर मे घुसने नही दिया जाता था स्कूल मे पढ़ने के लिए नही दिया जाता था इस तरह का घटना उन लोगो के साथ होता था धीरे-धीरे जब लोग विद्वान लोग जो थे उन लोग ने ये सब अन्याय हो रहे समाज मे लाया और अब सभी लोगो को पूर्ण रूप से सभी तरह के लाभ हो पा रहा है

Signature ... PRINCIPAL
K.N. Bakshi College of Education
Bengabad, Giridih

Page No.
Date: / /

पहले सिर्फ अमीर घर के लड़का या लड़कियाँ पढ़ती थी उच्च जाति के लोग शिक्षा प्राप्त करते थे निम्न जाति के लोग से काम करवाया जाता था लेकिन वह सब शिक्षा के कारण अब सभी लोग शिक्षा प्राप्त किये तो अब निम्न लोग भी सभी तरह के कार्य में जाते है सभी की के लोग।

अब मुस्लिम जाति में तीन तलाक होता था तो वो भी हटाया गया अगर महिला नहीं पढ़ी होती तो यह इसके लिए आवाज नहीं उठा पाती शिक्षा प्राप्त करने से ही यह उस महिला को दिमाग में आया कि नहीं महिलाओं के साथ यह बहुत गलत हो रहा है, और इसके प्रति आवाज उठाना चाहिए और उठाई तब आज तीन तलाक खत्म हुआ इसी तरह से शिक्षा प्राप्त करने से ही समाज में हो रहे कुरितियाँ खत्म हो रही है

महिला को पहले शिक्षा नहीं दी जाती थी सिर्फ लड़के ही पढ़ते थे, लड़कियाँ नहीं कहा जाता था कि लड़कियाँ को सिर्फ घर का काम करना तक ही सीमित समझा जाता है था उसे चार दिवारी के अंदर ही रखा जाता था उसे लड़को के प्रति कमजोर समझा जाता था लेकिन अब शिक्षा प्राप्त लड़कियाँ करती है करने लगी तो वह सभी काम करती है जो लड़के करते है आज काफी आगे लड़कियाँ बढ़ गई है।

PRINCIPAL
Signature College of Education
K.N. Bakshi, Bengabad, Giridih

Page No.
Date: / /

पहले सति प्रथा था महिला को उसके पति मर जाने के बाद उसे भी उसी के साथ जिन्दा जला दिया जाता था लेकिन जब हमारे विद्वानों लोगें स्वामिविवेकानंद, महात्मा गाँधी, डॉ भिमराव अंबेडकर ने इसके प्रति आवाज उठाई कि ये समाज में गलत हो रहा है ऐसा नहीं होना चाहिए ये फिर जा के आज ये प्रथा खत्म हुआ। समाज में बहुत कुरितियाँ थी जो आज के लोग शिक्षित होने के कारण ये सब प्रथा नहीं मानते और महिलाएँ पर अत्याचार नहीं होता है।

पहले लोग जो लोग निम्न जाति के होते थे उच्च जाति के लोग उसे छुआ-छूत रखते थे उसका घर का पानी नहीं पिते थे उसका छुआ हुआ कुछ पिते नहीं थे उसका छुआ हुआ समान को दुषित मानते थे उसे छु लेने से उसे दंडित किया जाता था समाज में उसे बहुत ही प्रताड़ित किया जाता था उसके साथ बहुत ही बुरा होता था यह सब शिक्षा के माध्यम से ही सब खत्म हुआ। आज बाल विवाह भी नहीं होता है शिक्षित होने के कारण ही

शिक्षा के माध्यम से समाज में काफी बुराई हो रही हटा है यह लोग जब शिक्षित हुए तभी सम्भव हो पाया।

PRINCIPAL
K.N. Bakshi College of Education
Bengabad, Giridih

Signature..........................

Page No.
Date :

नाम — प्रियंका कुमारी
क्रमांक — 96
सत्र — 2022-2024

PRINCIPAL
K.N. Baksh College of Education
Bengabad, Giridih

Signature........................